Loss of Cattle in Rajasthan Due to Drought

1620. SHRI BAL RAJ MADHOK : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) how many cattle from drought affected areas of Rajasthan took shelter in Punjab and Haryana and how many of them have gone back ; and

(b) what steps Government propose to take to replenish the stock of cattle in Rajasthan to meet the needs of the sowing season ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) About 1,89,500 head of cattle from drought affected areas of Rajasthan took shelter in Punjab and Haryana States. About 60,000 head of cattle are reported to have returned to Rajasthan so far.

(b) A sum of Rs. 50.00 lakh has been sanctioned by the Government for grant of Tacavi loans to agriculturists for purchase of bullocks and camels for the purpose of tilling agricultural land.

गायों तथा बैलों की नस्ल में सुधार

1621. **श्री ओंकार सिंह :**
श्री शारदानन्द :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री कंवर लाल गुप्त :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों में गायों तथा बैलों की नस्ल में सुधार करने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है और इस प्रयोजन के लिए आगामी दो वर्षों में क्रियान्वित की जाने वाली योजना क्या है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस सम्बन्ध में अब तक की गई कार्यवाही से आवश्यकता पूरी नहीं होती ; और

(ग) क्या सरकार का विचार अच्छी नस्ल की गाय और बैल खरीदने के लिए छोटे किसानों को ऋण देने का है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) (क) 1. पिछले दो वर्षों (1967-68 और 1968-69) में गायों तथा बैलों की नस्ल में सुधार करने के लिये निम्नलिखित मुख्य तरीके अपनाये गये है :—

(1) विभिन्न राज्यों में 11 सघन पशु विकास परियोजनायें स्थापित की गई हैं।

(2) थारपरकर, लाल सिन्धी और सुरती की नस्ल के 3 केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म स्वीकृत किये गये हैं जोकि सब राष्ट्रीय महत्त्व के हैं।

(3) जसी, फ्रीसियन, ब्रान स्वीज़ और क्यूरनसे नस्लों की 614 विदेशी पशुओं का आयात किया गया है और विभिन्न राज्यों को संकरण योजनायें बढ़ाने में सहायता देने के लिए वितरित किये गये हैं।

(4) जसी और फ्रीसियन सांडों का 1512 एमप्यूल्स जमा हुआ वीर्य आयात किया गया है और विभिन्न सघन पशु विकास परियोजनाओं में प्रयोग किया जाता है।

2. आने वाले दो वर्षों में निम्नलिखित योजनाओं को क्रियान्वित करने का विचार है :—

(1) आने वाले दो वर्षों के अन्तर्गत सघन पशु विकास परियोजनाओं की संख्या का निर्णय अभी होना है।

(2) 3 केन्द्रीय पशु प्रजनन फ़ार्मों (एक मुर्राह और दो विदेशी पशु नस्लों के) मंजूर किये जाने की आशा है।